हॉब्स के व्यक्तिवाद संबंधी विचार-

- हॉब्स संप्रभुता का कट्टर समर्थक (निरंकुशतावादी) होते हुए भी, कई कारणों से व्यक्तिवादी था|
- व्यक्तिवाद की मूल धारणा यह है कि जितने भी संघ, समुदाय, अन्य संस्थाएं व राज्य हैं, वह सब व्यक्तियों द्वारा निर्मित हैं, व्यक्ति ही उनकी इकाई हैं और ये सब अपने में सम्मिलित व्यक्तियों से अधिक या भिन्न कुछ भी नहीं है|

- निम्न कारण है, जो हॉब्स को व्यक्तिवादी बनाते हैं-
    1. हॉब्स **प्रथम मनोवैज्ञानिक व्यक्तिवादी** है, जिसके राजदर्शन की शुरुआत व्यक्ति से होती है तथा व्यक्ति उसके चिंतन का केंद्र है|
    2. वह **राज्य को कृत्रिम** मानता है|
    3. वह **राज्य को साधन मानता है वह व्यक्ति सुरक्षा को साध्य मानता** है|
    4. वह **व्यक्ति के जीवन के अधिकार को संप्रभुता से ऊपर मानता** है|

- इस तरह हॉब्स का दर्शन उपयोगितावाद से भी जुड़ा है|

- **हॉब्स के व्यक्तिवाद पर सेबाइन की टिप्पणी** "हॉब्स के चिंतन में व्यक्तिवाद का तत्व पूर्ण रूप से आधुनिक है| इस दृष्टि से हॉब्स ने आगामी युग का संकेत अच्छी तरह से समझ लिया था|"
- **सेबाइन** "थॉमस हॉब्स के संप्रभु की सर्वोच्च शक्ति उसके व्यक्तिवाद की आवश्यक पूरक है|"
- **सेबाइन** "थॉमस हॉब्स ने एक व्यक्तिवादी के रूप में अपने विचारों का प्रारंभ में प्रतिपादन किया, परंतु उसके विचारों का अंत निरंकुशतावाद में होता है|"
- **डनिंग** "हॉब्स के सिद्धांतों में राज्य शक्ति का उत्कर्ष होते हुए भी मूल आधार पूर्णतः व्यक्तिवादी है|"
- हॉब्स के चिंतन में व्यक्तिवाद के साथ उपयोगितावाद भी स्पष्ट झलकता है| **सेबाइन** के शब्दों में "हॉब्स एक साथ पूर्ण उपयोगितावादी तथा पूर्ण व्यक्तिवादी था|"
- **ऑकशॉट** "हॉब्स एक उदारवादी या लोकतंत्रवादी नहीं, बल्कि व्यक्तिवादी है|"
- **वेपर** "लेवियाथन मात्र प्रभुसत्ता के सिद्धांत का शक्तिशाली प्रतिवाद ही नहीं, बल्कि वह उसके व्यक्तिवाद का एक शक्तिशाली व्यक्तव्य

- **मैक्सी** "निरंकुशतावादी होते हुए भी हॉब्स आदि से अंत तक व्यक्तिवादी है|"
- **मैक्सी** "थॉमस हॉब्स का लेवियाथन केवल संप्रभुता के सिद्धांत का और राज्य को एक साधन के रूप में मानने का ही ग्रंथ नहीं है, वह व्यक्तिवाद का भी प्रबल समर्थक है|"
- **वोलिन** "हॉब्स की रचना लेवियाथन के मुख्य पृष्ठ पर उनके सिद्धांत का सार मिलता है, जिसमें व्यक्तिवाद व शक्तिशाली संप्रभु शासक महत्वपूर्ण तत्व है|"

स्वत्वमूलक व्यक्तिवाद-

- C B **मैकफर्सन** ने अपनी कृति The Political Theory of Possessive Individualism: Hobbes to locke 1962 में थॉमस हॉब्स की विचारधारा को **स्वत्व बोध या स्वत्वात्मक व्यक्तिवाद** (Possessive Individualism) कहा है|
- C B **मैकफर्सन** "हॉब्स में स्वत्वमूलक व्यक्तिवाद (Possessive Individualism), सजातीय गलाकाट प्रतिस्पर्धा, आत्म प्रशंसा के भाव थे| उसके सिद्धांत आरंभिक पूंजीवादी-बाजारवादी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करते हैं|"

राजनीतिक जिम्मेदारियां-

- **लियो स्ट्रास के अनुसार** थॉमस हॉब्स शासकों की जिम्मेदारी समझते थे, कि प्रजा उनकी आज्ञा का पालन करें|
- शासक की आज्ञा पालन के थॉमस हॉब्स तीन कारण बताता है-
    1. यदि व्यक्ति आज्ञा का पालन नहीं करता है, तो उससे दंड दिया जाना चाहिए|
    2. अपने समझौते के पालन के नैतिक कारण है और लेवियाथन इस बात की गारंटी करता है कि सभी पक्ष समझौते का पालन करेंगे|
    3. शासक नागरिकों द्वारा अनुमति प्राप्त उनकी ओर से शासन करने वाला प्रतिनिधि है (सहमति से शासन करने वाला प्रतिनिधि)|

स्त्रियों संबंधी हॉब्स के विचार-

- हॉब्स **मानवीय समानता** के पक्षधर थे|
- हॉब्स **स्त्रियों को भी पुरुषों के समान क्षमतावान** मानते थे, इसलिए उन्हें संरक्षण की आवश्यकता नहीं होती है|